सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 299 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 6 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

कड़वाहट कैंसर की तरह है। ये कड़वाहट रखने वाले को खा जाती है। लेकिन क्रोध आग की तरह है। ये सब कुछ जला कर साफ कर देता है। -माया एंजिलो

ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ा, पांच... 7 | भाजपा ने बनाया प्लान, अब नए... 3 | हर मोर्चे पर भाजपा सरकार... 2

नगालैंड हिंसा पर संसद में हंगामा विपक्ष ने सरकार से मांगा जवाब

लोक सभा और राज्य सभा में उठा एक दर्जन से अधिक नागरिकों की मौत का मामला

» 12 सांसदों के निलंबन और एमएसपी की गारंटी पर भी विपक्ष ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नगालैंड हिंसा मामले को लेकर आज विपक्ष ने संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया और सरकार से सुरक्षा बलों की फायरिंग में हुई एक दर्जन से अधिक नागरिकों की मौत पर जवाब मांगा। इसके अलावा राज्य सभा के 12 सदस्यों के निलंबन की वापसी और किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी सहित कई मांगों को लेकर विपक्ष ने उच्च सदन की कार्यवाही बाधित की। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज संसद के दोनों सदनों में नगालैंड हिंसा पर बयान देंगे।

संसद के शीतकालीन सत्र में आज का दिन हंगामेदार रहा। दोनों सदनों में विपक्ष ने नगालैंड में हुई फायरिंग की घटना को उठाया। विपक्ष की ओर से इस पूरे मामले पर केंद्रीय गृहमंत्री मंत्री अमित शाह की तरफ से बयान देने की मांग की गई। हंगामे को देखते हुए राज्य सभा की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। लोक सभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि नगालैंड में असम राइफल्स के जवानों की फायरिंग में बेकसूर लोगों के मारे जाने पर गृह मंत्री को सदन में बयान देना चाहिए। विपक्ष की मांग पर संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस पर कहा कि सरकार इस घटना को लेकर बेहद संवेदनशील है। गृह मंत्री सरकार की ओर से बयान देंगे। राज्य सभा में भी कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने इस घटना को उठाया। खडगे ने कहा कि हम मांग करेंगे कि गृह मंत्री दोनों सदनों के सामने अपना बयान दें और घटना पर अपना विस्तृत विवरण दें, उन्हें जवाब देना चाहिए कि ऐसा क्यों हुआ? वहीं लोक सभा में नगालैंड से एनडीपीपी सांसद टी येप्थोमी ने फायरिंग में नागरिकों की मौत पर कहा कि जांच शुरू की जानी चाहिए। राज्य सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

क्या है मामला

नगालैंड के मोन जिले में असम राइफल्स के जवानों पर ग्रामीणों को गलती से उग्रवादी समझकर गोलीबारी करने का आरोप है। इस मामले में असम राइफल्स और राज्य सरकार की ओर से जांच बिठा दी गई है। असम राइफल्स ने बताया कि विद्रोहियों के संभावित मूवमेंट की खुफिया जानकारी के आधार पर क्षेत्र में विशिष्ट अभियान चलाने की योजना बनाई गई थी। घटना और उसके बाद के परिणामों पर हमें खेद है। बताया गया है कि पिकअप वैन में छह युवक थे जो एक स्थानीय कोयला खदान से लौट रहे थे। उन पर कथित तौर पर फायरिंग की गई। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध में सुरक्षाबलों को घेर लिया, वाहनों में आग लगा दी। फिर सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की जिसके कारण कई अन्य लोगों की मौत हो गयी। हिंसा में एक जवान समेत 14 लोगों की मौत हो गयी।

पीएम मोदी ने की बैठक

नगालैंड फायरिंग की घटना और दोनों सदनों में सरकार की रणनीति समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने शीर्ष मंत्रियों के साथ आज बैठक की।

मेरठ : एक मंच से गरजेंगे अखिलेश-जयंत

रैली को सपा-रालोद ने झोंकी ताकत

» जयंत बोले, सबके बीच करेंगे गठबंधन का ऐलान सीटों पर हो चुकी है बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेरठ के दबथुवा में सात दिसंबर यानी कल होने वाली गठबंधन की पहली रैली को सपा और रालोद ने ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। यहां एक मंच से सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी न केवल गठबंधन का ऐलान करेंगे बल्कि भाजपा पर जमकर निशाना साधेंगे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चुनाव अभियान के पदाधिकारी कई दिनों से यहां डेरा डाले हुए हैं वहीं रालोद नेता रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। यह पहला मौका होगा जब दोनों नेता चुनाव से पहले एक साथ दिखेंगे। वहीं रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा कि हमारे यहां लोग बंद कमरे में हुई बात को नहीं मानते। हम जो बताएंगे अखिलेश के साथ मेरठ में सबके बीच बताएंगे। उन्होंने कहा कि सपा-रालोद के बीच सीटों पर बात हो गई है। कुछ छोटी चीजें रह गई हैं। गठबंधन का करीब-करीब ऐलान हो चुका है। सात दिसंबर को पहला मौका होगा जब हम राजनीतिक मंच साझा करेंगे।

कल की रैली को ऐतिहासिक बनाने में जुटे पदाधिकारी

मायावती ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा

सत्ता में बैठे लोग बाबा साहेब के विरोधी

» अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी बसपा

» डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्य तिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्य तिथि पर बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ में बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। मायावती ने कहा कि आज, केंद्र और राज्यों में जातिवादी सरकारों की उदासीनता के कारण दलितों को संविधान में दिए गए लाभ नहीं मिल रहे हैं।

भाजपा का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि आज जो लोग देश तथा कई राज्यों की सत्ता में बैठे हैं वह सभी लोग बाबा साहेब के विरोधी लोग हैं। हमें सत्ता परिवर्तन करना होगा। बसपा यूपी और उत्तराखंड में अकेले चुनाव लड़ेगी। बसपा प्रदेश में सरकार बनाएगी।

हर मोर्चे पर भाजपा सरकार फेल : अपर्णा यादव

» मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने बीजेपी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। कुछ अरसा पहले तक प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की तारीफ करती रहीं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव के सुर बदल गए हैं। अमेठी के तिलोई विधानसभा क्षेत्र में सभा करते हुए उन्होंने अखिलेश भैया को प्रचंड बहुमत दिलाने की अपील कर डाली।

उन्होंने कहा भाजपा सरकार महंगाई, कानून व्यवस्था, कोरोना महामारी और कृषि कानून सहित हर मोर्चे पर पूरी तरह से फेल साबित हुई है। इसका जवाब

जनता आगामी विधानसभा चुनाव में लेगी। सियासी गलियारों में उनके बदले सुर के निहितार्थ तलाशे जा रहे हैं। लोग इसे सैफई परिवार में जारी एका की कोशिशों का प्रतिफल मान रहे हैं।

मलिक मोहम्मद जायसी शोध संस्थान में सभा को संबोधित करते हुए अपर्णा यादव ने कहा कि यह चुनाव का समय है, इसलिए वह चुनावी बातें ही करेंगी। वह बाबू जी मुलायम सिंह यादव के निर्देश पर सपा को मजबूत करने निकली हैं, क्योंकि जनता अब भाजपा सरकार से ऊब चुकी है। इस सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। कानून व्यवस्था चरमरा गई है। महंगाई बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा हमने तिलोई विधानसभा क्षेत्र में देखा कि सड़कें बदहाल हैं। स्वास्थ्य व शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त है। सूफी संत जायसी की धरती भी विकास की बाट जोह रही है। सपा सरकार बनते ही तिलोई विधानसभा क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता मिलेगी।

जनता चाहती है हम यहां से चुनाव लड़ें

अपर्णा यादव ने तिलोई विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि जनता चाहती है कि हम यहां से चुनाव लड़ें, लेकिन सपा हाईकमान अखिलेश भैया जैसा आदेश देंगे वही करूंगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में जिस तरह ममता दीदी को प्रचंड बहुमत मिला है, उसी तरह जनता यूपी में अखिलेश भैया को भी प्रचंड बहुमत दिलाएगी। जायस में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने जा रही अपर्णा का इन्हौना में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इसके पश्चात उनका काफिला अहोरवा भवानी मंदिर पहुंचा। जहां उन्होंने मां अहोरवा की पूजा अर्चना कर चुनरी चढ़ाई। इसके पश्चात वे पार्टी कार्यकर्ता राहुल अवस्थी के घर जाकर परिवार के लोगों से मुलाकात की।

धर्म के रास्ते पर चलकर ही मिलेगी जीत : स्मृति ईरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि धर्म के रास्ते पर चलकर ही जीत मिलेगी। उन्होंने विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्यनाटिका शिव तांडव स्तोत्र और महिषासुर मर्दिनी प्रसंग को देखकर कहा कि सनातन धर्म से ही हमारे देश और जीवन को प्रेरणा मिलती रही है। यही मार्ग आगे भी हम सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा।

केंद्रीय मंत्री ने छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी कराने वाली शिक्षिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूरा विद्यालय परिवार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच को आगे बढ़ाने का जो कार्य कर रहा है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कानपुर ने हमेशा ही भारत के इतिहास में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में अंकित किया है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन समिति से कहा कि वर्तमान में देशभर में मनाए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में यहां का प्रत्येक छात्र देश के वीरों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए निबंध लेखन करे। उन्होंने इच्छा जताई कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों पर चलने वाले इस विद्यालय से भी ओलंपिक विजेता नीरज चोपड़ा जैसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी निकलें। यह कानपुर और देश के लिए गौरव की बात होगी।

अस्थायी बिजली कनेक्शन तय समय में स्थायी करें : श्रीकांत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष को निर्देश दिया है कि उपभोक्ता हित में एक समयसीमा के लिए दिए गए अस्थायी बिजली कनेक्शनों की गहन समीक्षा कर उन्हें स्थायी किया जाए। अनियमितता मिलने पर संबंधित डिस्काम की जवाबदेही तय कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। शर्मा ने अपने इस निर्देश की जानकारी ट्वीट करके दी।

नोएडा में बिल्डरों को अस्थायी बिजली कनेक्शन देने की आड़ में उजागर हुए घोटाले और उसमें हुई कार्रवाई के बाद प्रदेश के अन्य इलाकों में भी ऐसी अनियमितताओं का अंदेशा होने के मद्देनजर ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के यह निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने भी ऊर्जा मंत्री से मांग की है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए शासन स्तर पर अविलंब कठोर कदम उठाए जाएं

नहीं तो उच्च पदों पर बैठे गड़बड़ियों के दोषी अभियंता साक्ष्यों को मिटाने में कामयाब हो जाएंगे। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने ऊर्जा मंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात कर उन्हें इस संबंध में प्रस्ताव सौंपा। अपने प्रस्ताव में उपभोक्ता परिषद ने मुद्दा उठाया कि बिजली निगमों में बड़े बिल्डरों को नया या अस्थायी कनेक्शन देने में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर अनियमितता का अंदेशा है। ऐसे में प्रदेश सरकार को स्वतंत्र एजेंसी से जांच करने पर भी विचार करना चाहिए।

चुनाव से पहले भाजपा के गले की फांस बनी बेरोजगारी

» वरूण गांधी ने अपने ही सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांच चुनावी राज्यों में बेरोजगारी का मुद्दा भाजपा के गले की फांस बन सकता है। त्यौहारी सीजन बीतने के साथ ही बेरोजगारी दर दुबारा बढ़ने लगी है। इस समय पूरे देश में बेरोजगारी दर 7.2 प्रतिशत हो गई है। औद्योगिक कामकाज वाले शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर रिकॉर्ड 8.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है तो ग्रामीण क्षेत्रों में बुवाई का सीजन होने के बाद भी बेरोजगारी दर 6.6 प्रतिशत हो गई है। चुनावी राज्य यूपी में बेरोजगारी दर 4.8 प्रतिशत तो गोवा में 12.7 प्रतिशत हो चुकी है।

भाजपा शासित इन राज्यों में सरकार को बेरोजगार युवाओं का गुस्सा झेलना पड़ सकता है। बेरोजगार युवा नौकरियों को लेकर जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी समस्याओं का समाधान मिलने की जगह पुलिस उन पर लाठियां बरसा रही है। इससे

यूपी में बेरोजगारी दर 4.8 प्रतिशत

सीएमआईई के आंकड़ों के अनुसार चार दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में बेरोजगारी दर 7.2 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। सबसे ज्यादा शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी का बढ़ना भाजपा सरकार के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर 4.8 प्रतिशत हो गई है। वहीं पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में 3.1 प्रतिशत है, जबकि पंजाब में बेरोजगारी दर 6.6 हो गई है। इसी प्रकार गोवा में बेरोजगारी दर 12.7 प्रतिशत हो गई है। दिल्ली में बीते सप्ताह में बेरोजगारी दर 9.3 तक पहुंच चुकी है।

समस्या सुलझने की बजाय और अधिक गंभीर होती जा रही है। बेरोजगारों पर हुए लाठी चार्ज का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सांसद वरूण गांधी ने कहा है कि ये बेरोजगार युवा भी भारत मां के बेटे हैं। इनकी बात मानना तो दूर, कोई इनकी बात सुनने तक को तैयार नहीं है। पुलिस द्वारा बेरोजगार युवाओं के पीटे जाने का एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने ट्विटर पर लिखा है कि अपने दिल पर हाथ रखकर सोचिए कि यदि ये आपके बच्चे होते तो क्या तब भी आप इनके साथ यही व्यवहार करते। उन्होंने सवाल किया है कि यदि सरकार के रिक्तियां भी हैं और योग्य अभ्यर्थी भी, तो सरकारी नौकरियों की भर्तियां क्यों नहीं की जा रही हैं। पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरूण गांधी इसके पहले भी युवाओं को लेकर अपनी आवाज उठा चुके हैं।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

पाक कश्मीर के बिना अधूरा है तो भारत कराची-लाहौर के बगैर : इंद्रेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान कश्मीर के बिना अपने को अधूरा कहे तो हमें भी कहना चाहिए कि कराची और लाहौर के बिना भारत अधूरा है। यह बात पूरे बेबाकी के साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने आयोजित युवा दिव्यांग सम्मेलन के मौके पर कही। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में इंद्रेश कुमार ने चीन और पाकिस्तान की भारत विरोधी नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि चीन की बनी वस्तुओं का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। सुझाव दिया कि दिव्यांगों द्वारा तैयार सामान की बिक्री के लिए कुछ समूह बनाने चाहिए। इंद्रेश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति से खत्म हो रही इंसानियत को फिर से जिंदा किया है। कहा कि भारतीय राजनीति में नफरत, भ्रष्टाचार और अपराध बढ़ते जा रहे थे। प्रधानमंत्री ने इसी तरह के अपराध, भ्रष्टाचार और नफरत पर लगाम लगाने का काम किया। दिव्यांग सम्मेलन में इंद्रेश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकलांग को दिव्यांग का जो नया नाम दिया है, उसे विश्वभर में अपनाया जाना चाहिए।

सत्ता में बैठे लोग नारे नहीं दें, काम करें : तोगड़िया

» मथुरा की तैयारी वाले बयान पर डिप्टी सीएम को दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के मथुरा को लेकर दिए गए बयान पर वाराणसी पहुंचे अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को नारे और वादे का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि नारे लगाने से नहीं, काम करके दिखाना चाहिए। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंबियामंडी में एक कार्यकर्ता के घर पहुंचे प्रवीण तोगड़िया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि राजनीति का हिंदूकरण हो रहा है।

अखिलेश यादव हनुमान की बात तो प्रियंका मंत्र का उच्चारण और राहुल जनेऊ दिखा रहे हैं। ममता बनर्जी भी मंच से चंडी पाठ कर रही हैं। वाराणसी के रामनगर स्थित एक निजी स्कूल में आयोजित वार्ता में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि देश में हिंदुओं की अपेक्षा मुसलमानों की आबादी में तेजी से वृद्धि हो रही है। मुस्लिमों की जनसंख्या वृद्धि दर का यही क्रम जारी रहा तो एक दिन हिंदू ही भारत में अल्पसंख्यक हो रह जाएंगे। यह अच्छा संकेत नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की जनसंख्या वृद्धि दर दो प्रतिशत रह गई है, जबकि मुसलमानों की ढाई प्रतिशत है। इसलिए हिंदुओं को अभी चेतना होगा। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि देश का कोई भी हिंदू किसी भी राज्य से हो यदि वह गरीब है तो हमें हमेशा उसकी मदद के लिए तैयार रहना होगा। अपनी संस्था का टोल फ्री नंबर भी उन्होंने जारी किया।

भाजपा ने बनाया प्लान, अब नए फॉर्मूले पर तय होंगे उम्मीदवारों के नाम

» टिकट वितरण तरीके को किया जा रहा फाइनल
» निष्क्रिय रहे विधायकों के कटेंगे टिकट
» पार्टी और सरकार ने कराया सर्वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए सभी सियासी दलों ने जोर-आजमाइश शुरू कर दी है। भाजपा भी सत्ता को बरकरार रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। अब उसने चुनाव प्रचार-प्रसार से लेकर टिकट बंटवारे तक का फॉर्मूला फाइनल कर दिया है। शीर्ष नेतृत्व ने नए मॉडल पर उम्मीदवारों के नाम तय करने का फैसला लिया है। हालांकि भाजपा ने फिलहाल जो फॉर्मूला तय किया है अगर उसके अनुसार टिकट बांटे गए तो 150 से ज्यादा उम्मीदवार बदल जाएंगे। इनमें वह नाम भी शामिल हैं, जिन्होंने 2017 के चुनाव में जीत हासिल की थी। इसके अलावा 2017 में हारने वाले उम्मीदवार शामिल हैं।

पार्टी और सरकार की तरफ से अलग-अलग तीन सर्वे कराए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, प्रत्याशी चयन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने-अपने स्तर से सर्वे करवाया है। अब सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ही प्रत्याशियों का ऐलान किया जाएगा। बताया जा रहा है कि साढ़े चार साल तक संगठन और सरकार की गतिविधियों में निष्क्रिय रहने वाले विधायकों का टिकट कटेगा। समय-समय पर अनर्गल बयानबाजी कर संगठन और सरकार को कठघरे में खड़े करने वाले विधायकों पर भी गाज गिरेगी। 70 साल की उम्र पार कर चुके या गंभीर बीमारी से जूझ रहे विधायकों का टिकट भी कटेगा। जिन विधायकों पर समय-समय पर अलग-अलग तरह के आरोप लगते रहे हैं, उन्हें भी टिकट देने से पार्टी परहेज करेगी। 2017 में ज्यादा अंतर से हारे उम्मीदवारों को भी फिर से मैदान में उतारने का जोखिम मोल लेने से पार्टी बचेगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के प्रत्याशी चयन में आरएसएस की राय भी अहम रहेगी। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और सह सरकार्यवाह कृष्णगोपाल लगातार प्रदेश में प्रवास कर भाजपा के लिए चुनावी जमीन मजबूत कर रहे हैं।

इनको मिलेगा फायदा

लंबे समय से संगठन के लिए काम करने वालों को भाजपा तोहफा दे सकती है। वहीं दूसरे दलों से आने वाले लोगों को वरीयता मिलेगी। संघ की गुड लिस्ट में शामिल नेताओं को फायदा होगा। शिक्षित युवाओं और महिलाओं को टिकट बंटवारे में फायदा मिल सकता है।

जिलों से मांगी जाएगी तीन-तीन नामों की लिस्ट

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, प्रत्याशी चयन के लिए हर जिला संगठन से उनके क्षेत्राधिकार की सीटों के लिए तीन-तीन नामों की लिस्ट मांगी जाएगी। इसी तरह क्षेत्रीय टीमों से भी तीन-तीन नामों की सूची मांगी गई है। क्षेत्र और जिलों से आए नामों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा और महामंत्री संगठन सुनील बंसल की कमेटी मंथन करेगी। इनमें से हर विधानसभा क्षेत्र के लिए दो-दो नामों की लिस्ट फाइनल करके कमेटी की ओर से पार्टी के संसदीय बोर्ड को भेजा जाएगा।

संगीन अपराधों पर नजर रखेंगे ग्राम प्रहरी

अपराध नियंत्रण में ग्राम प्रहरी निभाएंगे बड़ी भूमिका

राज्य विधि आयोग ने तैयार किया नए कानून का मसौदा

» नियुक्ति की जिम्मेदारी जिलाधिकारी को सौंपने की तैयारी
» प्रहरियों को मिलेगी वर्दी व साथ में पहचान पत्र भी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर अब ग्राम प्रहरियों की भी बड़ी भूमिका होगी। दूर-दराज गांव तक अब नए अपराधों पर भी पुलिस-प्रशासन की नजर इन सजग प्रहरियों के जरिए रहेगी। मसलन, विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन के मामलों से लेकर मादक पदार्थ व मानव तस्करी जैसी घटनाओं से लेकर संगीन अपराधों तक पर ग्राम प्रहरी नजर रखेंगे और उनके पास अलग वर्दी व पहचानपत्र भी होगा। राज्य मानवाधिकार आयोग ने बदलते सामाजिक परिवेश में कानून-व्यवस्था के लिए सबसे अंतिम व प्रमुख कड़ी ग्राम प्रहरियों की भूमिका को बढ़ाने की संस्तुतियां की हैं।

आयोग ने ग्राम प्रहरी के लिए नए कानून का मसौदा राज्य सरकार को सौंप दिया है। ग्राम प्रहरी की नियुक्ति व उत्तरदायित्व पूर्व में उत्तर-पश्चिम प्रांत ग्राम एवं सड़क पुलिस अधिनियम-1873 व अवध कानून अधिनियम 1876 के तहत निर्धारित थे। केंद्र सरकार ने इन कानूनों को वर्ष 2018 में समाप्त कर दिया था। ग्राम प्रहरियों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए गृह विभाग ने राज्य विधि आयोग से प्रदेश में उनके लिए प्रथक कानून की रूपरेखा तैयार करने का अनुरोध किया था। आयोग ने अन्य राज्यों में लागू कानूनों, कोर्ट के निर्णयों व सामाजिक पहलुओं पर गहन अध्ययन के बाद प्रस्तावित कानून की रूपरेखा तैयार की है।

राज्य विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एएन मित्तल ने 21वें प्रतिवेदन के माध्यम से ग्राम प्रहरी के लिए नए कानून का मसौदा प्रदेश सरकार को सौंपा है। इसमें ग्राम प्रहरी के लिए नियुक्ति, सेवा शर्तें, दायित्व व सामाजिक सुरक्षा का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। आयोग की ओर से ग्राम प्रहरियों की नियुक्ति की जिम्मेदारी जिलाधिकारी को सौंपे जाने को कहा गया है। यह भी कहा गया है कि जिन जिलों में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू है, वहां नियुक्ति का दायित्व पुलिस कमिश्नर संभालें। अब तक पुलिस अधीक्षक ग्राम प्रहरियों की नियुक्ति देख रहे थे। ग्राम प्रहरियों को सामाजिक सुरक्षा दिलाने की संस्तुति के साथ ही उनकी नियुक्ति का गांव अथवा बीट न बदले जाने की बात भी कही गई है।

यह मानक भी जरूरी

ग्राम प्रहरी के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता तय करने की संस्तुति भी की गई है। न्यूनतम आयु व आवश्यक शारीरिक दक्षता के मानक तय किए जाने के साथ ही ग्राम प्रहरियों का मासिक मानदेय नियमित रूप प्रदान किए जाने की सिफारिश भी की गई है। बीते दिनों शासन ने ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाया था।

दस लाख रुपए तक का हो बीमा

ग्राम प्रहरी को सामाजिक सुरक्षा देने की दृष्टि से उनका दस लाख रुपये तक का बीमा करवाए जाने की सिफारिश की गई है ताकि किसी घटना अथवा दुर्घटना की स्थिति में उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता मिल सके।

वर्दी, प्रशिक्षण व पहचान पत्र मिले

आयोग ने सुरक्षा-व्यवस्था में ग्राम प्रहरियों के महत्व को देखते हुए उन्हें पुलिस व होमगार्ड की तरह प्रशिक्षण के अलावा अलग निर्धारित वर्दी व पहचानपत्र प्रदान किए जाने की संस्तुति भी की है।

तत्काल देंगे सूचना

ग्राम प्रहरी को गांव स्तर की अहम जानकारियों का सूत्रधार बनाने व उनका दायरा बढ़ाने की सिफारिश की गई है। गांव में किसी भी तरह की घटना की सूचना तत्काल पुलिस तक पहुंचाने का वह सीधा माध्यम बनेगा।

आयोग की 10 सिफारिशों पर बन चुका है कानून

राज्य विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एएन मित्तल का कार्यकाल चार दिसंबर को पूरा हो रहा है। उन्होंने ग्राम प्रहरी के लिए कानून के मसौदे से पहले राज्य सरकार को 20 प्रतिवेदन भेजे थे, जिनमें 10 पर अमल कर राज्य सरकार कानून बना चुकी है। शेष 10 का शासन स्तर पर परीक्षण कराया जा रहा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

देश पर भारी पड़ सकती लापरवाही

सवाल यह है कि विदेश से आए लोग बीमारी को छिपाने और जांच से बचने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? क्या किसी को भी दूसरे के जीवन को खतरे में डालने की छूट दी जा सकती है? क्या यह लापरवाही देश में तीसरी लहर को न्यौता नहीं दे रही है? तमाम निर्देशों के बावजूद लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं?

देश में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की दस्तक ने केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। वहीं लोग अभी भी लापरवाही बरत रहे हैं। विदेश के आए तमाम लोग कोरोना जांच से बचने के लिए अपने नाम, पते और फोन नंबर गलत दर्ज करा रहे हैं। इसके कारण कांट्रैक्ट ट्रेसिंग नहीं हो पा रही है। इसके कारण संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है क्योंकि ओमिक्रॉन वेरिएंट बेहद तेजी से एक से दूसरे व्यक्ति को संक्रमित करता है। इसके अलावा लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन तक नहीं कर रहे हैं। सवाल यह है कि विदेश से आए लोग बीमारी को छिपाने और जांच से बचने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? क्या किसी को भी दूसरे के जीवन को खतरे में डालने की छूट दी जा सकती है? क्या यह लापरवाही देश में तीसरी लहर को न्यौता नहीं दे रही है? तमाम निर्देशों के बावजूद लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या लोगों ने दूसरी लहर से कोई सबक नहीं सीखा है?

पिछले डेढ़ साल से कोरोना ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचा रखा है। इसका वायरस लगातार अपने रूप बदल रहा है। डेल्टा के बाद अब कोरोना का ओमिक्रॉन वेरिएंट दहशत का पर्याय बन चुका है। अब तक यह 33 देशों में फैल चुका है। भारत में भी इसके अब तक 21 मरीज मिल चुके हैं। कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और दिल्ली में संक्रमित मिले हैं। लिहाजा विदेश से आने वालों की जांच करायी जा रही है। खतरे के बावजूद हाल में विदेश से भारत पहुंचे तमाम लोग चिकित्सकीय टीम को खोजे नहीं मिल रहे हैं। जांच टीम को भ्रमित करने के लिए उन्होंने गलत पते दर्ज कराए हैं। ऐसे दस लोग कर्नाटक और दस यूपी के मेरठ से लापता हैं। जाहिर है यदि इसमें एक भी व्यक्ति संक्रमित हुआ तो वह सैकड़ों और ये सैकड़ों हजारों लोगों को संक्रमित कर देंगे और यह चेन बढ़ती जाएगी। कुछ ऐसी ही लापरवाही डेल्टा वायरस के फैलने के दौरान बरती गयी थी। इसके कारण देश को दूसरी लहर का प्रकोप झेलना पड़ा था। लिहाजा श्मशान और कब्रिस्तान में लाशों की कतारें लग गयी थीं। हैरानी की बात यह है कि दूसरी लहर में हाहाकारी हालात का सामना करने के बाद भी लोग लापरवाही बरत रहे हैं। सरकार के निर्देशों के बावजूद अधिकांश लोग मास्क का प्रयोग नहीं कर रहे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी नहीं किया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी सरकार जनता के सहयोग के बिना महामारी से नहीं निपट सकती है। लिहाजा महामारी से बचने के लिए जनता सरकार के बताए निर्देशों का पालन करे। अन्यथा आने वाले दिनों में स्थितियां बेहद खतरनाक हो सकती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्यों तोड़े जा रहे हैं संसद में नियम

ललित गर्ग

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत जिस रंजिश भरे माहौल में हुई है उसे लोकतन्त्र के लिए किसी भी दृष्टि से शुभ एवं श्रेयष्कर नहीं कहा जा सकता। संसद के पिछले मानसून सत्र में राज्य सभा में अशोभनीय आचरण, हिंसा एवं अशालीनता करने के आरोप में 12 सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की लगातार गिरती साख को बचाने की दिशा में एक सार्थक एवं सराहनीय कदम है। विपक्षी दल जिस तरह से इस निलंबन का बचाव कर रहे हैं, उससे वे न केवल अपना नुकसान कर रहे हैं बल्कि लोकतंत्र को भी कमजोर बना रहे हैं। विपक्षी दल निलंबित सांसदों के बचाव में जैसी खोखली दलीलें दे रहे हैं, जिन भ्रामकता से गलत को सही ठहराने का प्रयास कर रहे हैं, उससे वे अभद्रता की पैरवी करते हुए भी दिखने लगे हैं। इस प्रकरण ने यह सवाल खड़ा भी किया है कि देश को अनुशासित करने एवं नियमों में बांधने वाली संसद में अनुशासनहीनता, हिंसा एवं अराजकता पर होने वाली कार्रवाई इतनी कड़वी क्यों लगती है? जो संसद देश चलाने के लिए नियम-कायदे बनाने की जगह है, वह लगातार बाधित क्यों चल रही है?

संसद में होने वाली बहसें लोकतंत्र का आधार होती हैं लेकिन पिछले कुछ समय से लोक सभा और राज्य सभा में जिस तरह की बाधाएं खड़ी हो रही हैं और सदन का कामकाज सहज तरीके से संचालित नहीं हो पा रहा, उससे केवल संसद की मर्यादा और उपयोगिता के सामने चुनौती नहीं खड़ी हो रही है, बल्कि इसका दूरगामी असर लोकतांत्रिक परंपराओं के कमजोर होने के रूप में सामने आ रहा है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार मर्यादा में, शालीनता एवं शिष्टता से चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है, लेकिन सत्ता एवं राजनीति के शीर्ष पर बैठे लोगों द्वारा लोकतंत्र के आदर्शों को भुला दिया जाये तो लोकतंत्र कैसे जीवंत रह पायेगा? मानसून सत्र में संसद की गरिमा को गिराने वाले इस आपत्तिजनक और अशोभनीय आचरण के प्रमाण उपलब्ध होने के बाद भी विपक्ष यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि निलंबित किए गए सांसदों की ओर से ऐसा किया जाना उनका अधिकार था। विपक्ष का यह सवाल भी थोथा, भोंथरा और देश की जनता को गुमराह करने वाला है कि पिछले सत्र के मामले को लेकर अब

कार्रवाई क्यों की जा रही है? अभी के निलंबन को गलत बताने वाला विपक्ष इस सच को जानबूझकर छिपा रहा है कि जब राज्य सभा अभद्र आचरण का गवाह बनी तब मानसून सत्र का आखिरी दिन था। क्या विपक्ष यह कहना चाहता है कि हुड़दंग मचाने वाले सांसदों को निलंबित करने के लिए कोई विशेष सत्र बुलाया जाता या फिर उसी को विस्तारित किया जाता? राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन में जो भी शीर्ष पर होते हैं वे आदर्शों को परिभाषित करते हैं तथा उस राह पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। पर ऐसे व्यक्ति जब स्वयं कथनी-करनी की भिन्नता से लोकतांत्रिक मूल्यों के हाशिये से बाहर निकल आते हैं तब यह चिंतनीय है। आखिर बार-बार संसद को बाधित करने वाले जन-प्रतिनिधि कैसे लोकतंत्र को जीवंत रख पायेंगे जबकि सदन के कामकाज पर प्रतिदिन का खर्च काफी बैठता है और आखिर उसका बोझ आम जनता पर ही पड़ता है। मगर ज्यादा अहम यह है कि जहां हर मुद्दे और मसले पर संसद में सभी दलों के सांसदों और जनप्रतिनिधियों के बीच पर्याप्त विचार और बहस होनी चाहिए, वहां हंगामे, विवाद, अवरोध जैसी स्थितियों का लगातार कायम होते जाना, गंभीर चिन्ता का विषय है। राजनीतिक मकसद से विरोधियों या विपक्षियों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति हो या सत्ताधारी सरकारों के काम में विपक्ष द्वारा अनुचित एवं अलोकतांत्रिक तरीकों से अवरोध खड़े करना- यह सब अब आम बात हो गयी है। जनमत का फलसफा यही है कि चुने प्रतिनिधि चाहे किसी भी दल के हों, लोकतंत्र की भावनाओं एवं मूल्यों को अधिमान दें। जब तक ऐसा नहीं होगा तब तक सही अर्थों में लोकतंत्र का स्वरूप नहीं बनेगा तथा असंतोष किसी न किसी स्तर पर व्याप्त रहेगा। देश में लोकतंत्र कैसे मजबूत एवं संगठित होगा जब लोकतंत्र को संचालित करने एवं उसे जीवंतता देने का सामान्य व्यवहार भी नेताओं के पास नहीं है। शालीन ढंग से भी राजनीति हो सकती है और सभ्य-संवेदनशील तरीकों से सरकारों से काम कर सकती हैं। संविधान में विरोध प्रदर्शन और उसकी सीमा स्पष्ट है। फिर क्यों लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संविधान का हनन जनप्रतिनिधियों द्वारा एक बार नहीं, बार-बार हो रहा है।

बिजली खर्च करने में संयम

पंकज चतुर्वेदी

एक महीने पहले कोयले की कमी के चलते अंधियारा छाता दिख रहा था। भारत की अर्थव्यवस्था में आये उछाल ने ऊर्जा की खपत में तेजी से बढ़ोतरी की है। यही कारण है कि देश गंभीर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। आर्थिक विकास के लिए सहज और भरोसेमंद ऊर्जा की आपूर्ति अत्यावश्यक होती है, जबकि नयी आपूर्ति का खर्च तो बेहद डांवाडोल है। दूसरी तरफ हमारे सामने 2070 तक शून्य कार्बन की चुनौती भी है। भारत में दुनिया का कोयले का चौथा सबसे बड़ा भंडार है, लेकिन खपत के कारण कोयला आयात करने में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। हमारे कुल बिजली उत्पादन 3,86,888 मेगावॉट में थर्मल पावर की भागीदारी 60.9 फीसदी है। इसमें कोयला आधारित 52.6 फीसदी, लिग्नाइट, गैस व तेल आधारित बिजली घरों की क्षमता क्रमश: 1.7, 6.5 और 0.1 प्रतिशत है। हम हाइड्रो परियोजना से महज 12.1 प्रतिशत, परमाणु से 1.8 और अक्षय ऊर्जा स्रोत से 25.2 प्रतिशत बिजली प्राप्त कर रहे हैं।

सितंबर, 2021 तक देश के कोयला आधारित बिजली उत्पादन में लगभग 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बिजली संयंत्रों में कोयले की दैनिक औसत आवश्यकता लगभग 18.5 लाख टन है जबकि हर दिन महज 17.5 लाख टन कोयला ही वहां पहुंचा। कोविड महामारी की दूसरी लहर के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आयी है और बीते दो महीनों में ही बिजली की खपत 2019 के मुकाबले में 17 प्रतिशत बढ़ गयी है। इस बीच दुनियाभर में कोयले के दाम 40 फीसदी तक बढ़े हैं जबकि भारत का कोयला आयात दो साल में सबसे निचले स्तर पर है। कोयले का इस्तेमाल हम अनंत काल तक कर नहीं सकते क्योंकि इसका भंडार सीमित है। दुनिया पर मंडरा रहे जलवायु परिवर्तन के खतरे के कारण भारत के सामने भी कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने की चुनौती है। कोयले से संचालित बिजलीघरों से वायु प्रदूषण की समस्या खड़ी हो रही है।

नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड के कारण अम्ल बारिश जैसे कुप्रभाव भी संभावित हैं। इन बिजलीघरों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड धरती के गरम होने और मौसम में अप्रत्याशित बदलाव का कारक है। परमाणु बिजलीघरों के कारण पर्यावरणीय संकट अलग तरह का है। परमाणु विखंडन से बिजली बनाना किसी भी समय परमाणु बम के विस्फोट जैसे कुप्रभावों को न्योता है। आण्विक पदार्थों और रेडियो एक्टिव कचरे का निपटारा बेहद संवेदनशील और खतरनाक काम है। हवा सर्वसुलभ और खतराहीन ऊर्जा स्रोत है लेकिन इसे महंगा, अस्थिर और गैर-भरोसेमंद माध्यम माना जाता रहा है। इस समय देश में महज 39.870 हजार मेगावॉट बिजली हवा से बन रही है। पवन ऊर्जा उपकरणों की असफलता का मुख्य कारण भारत के माहौल के मुताबिक उसकी संरचना का नहीं होना है। हमारे यहां बारिश, तापमान, आर्द्रता और खारापन, पश्चिमी देशों से भिन्न है। जिन स्थानों पर बेहतर पवन बिजली की संभावना है, वहां तक संयंत्र के भारी-भरकम खंभों और टरबाइन को ले जाना भी बेहद खर्चीला है।

सूरज से बिजली पाना भारत के लिए बहुत सहज है। हमारे यहां साल में आठ से दस महीने धूप रहती है। जहां अमेरिका व ब्रिटेन में प्रति मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन पर खर्चा क्रमश: 238 और 251 डॉलर है, वहीं भारत में यह महज 66 डॉलर प्रति घंटा है। कम लागत के कारण घरों और वाणिज्यिक एवं औद्योगिक भवनों में इस्तेमाल किये जाने वाले छत पर लगे सौर पैनल जैसी रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टिक (आरटीएसपीवी) तकनीक, वर्तमान में सबसे तेजी से लगायी जाने वाली ऊर्जा उत्पादन तकनीक है। अनुमान है कि आरटीएसपीवी से 2050 तक वैश्विक बिजली की मांग का 49 प्रतिशत तक पूरा होगा। यदि केवल सभी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी, सरकारी भवन, पंचायत स्तर पर सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था को स्तरीय सोलर सिस्टम में बदल दिया जाये तो हम हर साल हजारों मेगावाट बिजली का कोयला बचा सकते हैं। सौर ऊर्जा के लिए अधिक भूमि की जरूरत होती है। सोलर प्लांट में इस्तेमाल प्लेट्स के खराब होने पर उसके निस्तारण का कोई तरीका अभी तक खोजा नहीं गया है। यदि उन्हें वैसे ही छोड़ दिया गया तो जमीन में गहराई तक उसके प्रदूषण का प्रभाव होगा। पिछले कुछ सालों में हमारे यहां अक्षय ऊर्जा से प्राप्त बिजली संचय और उपकरणों में बैटरी का प्रयोग बढ़ा हैं जबकि यह गौर नहीं किया जा रहा है कि खराब बैटरी का सीसा और तेजाब पर्यावरण की सेहत बिगाड़ देता है।

बिजली के बगैर प्रगति की कल्पना नहीं की जा सकती जबकि बिजली बनाने के हर सलीके में पर्यावरण के नुकसान की संभावना है। यदि ऊर्जा का किफायती इस्तेमाल सुनिश्चित किये बगैर ऊर्जा के उत्पादन की मात्रा बढ़ायी जाती रही, तो इस कार्य में खर्च किया जा रहा पैसा व्यर्थ जाने की संभावना है और इसका विषम प्रभाव अर्थव्यवस्था के विकास पर पड़ेगा। विकास के समक्ष इस चुनौती से निबटने का एकमात्र रास्ता है- ऊर्जा का अधिक किफायत से इस्तेमाल करना। ऊर्जा का संरक्षण करना उसके उत्पादन के बराबर है- पूरी दुनिया में लोगों का ध्यान ऊर्जा की बचत की ओर आकर्षित करने के लिए इस नारे का इस्तेमाल किया जा रहा है। बिजली की बचत करना, नये बिजली घर लगाने के बनिस्पत बेहद सस्ता होता है।

बड़ी इलायची यानी काली इलायची का इस्तेमाल खड़े मसाले के तौर पर खाने के स्वाद और महक को बढ़ाने के लिए किया जाता है। शायद ही कोई रसोई ऐसी हो जहां बड़ी इलायची आपको नजर न आये। छोले, बिरयानी, पुलाव, पनीर और नॉनवेज जैसी डिश बड़ी इलायची के तड़के के बिना अधूरी सी लगती है। लेकिन आपको बता दें कि बड़ी इलायची केवल खाने का स्वाद और महक बढ़ाने के लिए ही इस्तेमाल नहीं की जाती बल्कि कई और कामों के लिए भी इस्तेमाल की जाती है। आप सोच रहे होंगे कि कौन से काम? तो आइये बताते हैं इसके बारे में।

खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाती कई सारी दिक्कतों को भी कम करती है

बड़ी इलायची

स्किन को ग्लोइंग बनाती

काली इलायची स्किन को ग्लोइंग बनाने में भी काफी मदद करती है। ये एंटी-ऑक्सिडेंट, विटामिन-सी और पोटैशियम से भरपूर होती है। इसकी वजह से इंटरनल सिस्टम टॉक्सिक फ्री रहता है और ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है जिससे स्किन में ग्लो आता है।

सांस की बदबू दूर करे

बड़ी इलायची सांस की बदबू को दूर करने में काफी मदद करती है। इसके साथ ही ये दांतों और मसूड़ों के संक्रमण को दूर करने में भी सहायता करती है। इसके लिए आपको रोजाना खाने के बाद इलायची को धीरे-धीरे चबाना चाहिए।

उल्टी-चक्कर को कम करती

बड़ी इलायची जी मिचलाने और उल्टी-चक्कर से निजात दिलाने में भी काफी मदद करती है। इस दिक्कत से निजात पाने के लिए आप बड़ी इलायची के दानों को पीसकर शहद में मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं।

पाचन तंत्र में सुधार करती

पाचन तंत्र में सुधार करने के लिए भी बड़ी इलायची की मदद ली जा सकती है। यह पेट के एसिड को कंट्रोल करने में सहायता करती है। जिससे गैस्ट्रिक अल्सर या अन्य पाचन विकारों की दिक्कत कम होती है। इसके साथ ही ये कब्ज से निजात दिलाने और पेट फूलने की दिक्कत को दूर करने में भी मदद करती है।

एसिडिटी कम करती

एसिडिटी को कम करने के लिए भी आपको खाने के बाद बड़ी इलायची का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही भूख न लगने पर भी इलायची का सेवन करने से भूख खुलकर लगने लगती है। बड़ी इलायची में मौजूद तत्व पेट की म्यूकोसल कोटिंग को मजबूत करने में मदद करते हैं।

हंसना मना है

परम सत्य ज्ञान..... ये जरूरी तो नहीं कि हर रिश्ता बेवफाई से ही खत्म हो। कुछ रिश्ते बीवी के हाथ मोबाइल लग जाने से भी खत्म करने पड़ते हैं।

पप्पू: पहले मुझे लगता था कि मैं सारा काम सही से करता हूं। और मुझसे कभी कोई गलती नहीं होती। गप्पू: हां तो, फिर क्या हुआ? पप्पू: फिर एक दिन मेरी शादी हो गई।

बेटा: पापा मुझे शादी नहीं करनी, मुझे सभी औरतों से डर लगता है, पिता: कर ले बेटा...फिर एक ही औरत से डर लगेगा।

दो दोस्त आपस में बात करते हुए लड़की जब फ्रेंड बनती है तो भले ही शादी वाली फीलिंग न आती हो, पर जब लड़की ब्लॉक करती है तो तलाक वाली फीलिंग जरूर आती है

लड़के वाले: हमें लड़की पसंद है शादी कब करें? लड़की वाले: अभी हमारी लड़की पढ़ रही है। लड़का : तो मैं कौन सा छोटा बच्चा हूं जो इसकी किताबें फाड़ दूंगा।

पति: आज बाहर खाना खाएंगे। पत्नी: ठीक है मैं दो मिनट में तैयार होकर आती हूं। पति: ठीक है में बहार चटाई बिछाता हूं।

कहानी — जादुई पेड़

दो भाई थे जो एक जंगल के किनारे रहते थे। बड़े भाई अपने छोटे भाई से बहुत प्यार करता था और सभी एक साथ खाना खाते थे। एक दिन बड़े भाई बाजार में बेचने के लिए, जलाऊ लकड़ी की तलाश में जंगल में गए। वह पेड़ के बाद पेड़ की शाखाओं को काटते हुए चला गया और अंततः वह एक जादुई पेड़ पर आया। पेड़ ने उससे कहा, अरे दयालु! कृपया मेरी शाखाओं को मत काटिए। यदि आप मुझे बख्शते हैं, तो मैं आपको अपना सुनहरा सेब दूंगा। बड़े भाई ने सहमति व्यक्त की लेकिन पेड़ ने उसे जो सेब दिए, वह उसकी संख्या से वह निराश था। लालच में आकर उसने पेड़ को धमकी दी कि अगर पेड़ ने उसे और सेब नहीं दिए तो वह उसे पूरी तरह से काट देगा। बड़े भाई की इस बात से नाराज जादुई पेड़ ने बड़े भाई पर सैकड़ों छोटी-छोटी सुइयों की बौछार कर दी। बड़े भाई दर्द से चिल्लाते हुए जमीन पर गिर गया। दर्द के कारण बड़ा भाई तड़प रहा था। शाम का समय भी हो चूका था। छोटा भाई चिंतित हो गया और अपने बड़े भाई की तलाश में जंगल में गया। उसने देखा कि बड़े भैया के शरीर पर सैकड़ों सुइयां लगी हुई हैं। वह अपने भाई के पास गया और प्रत्येक सुई को श्रमसाध्य प्रेम से हटा दिया। बाद में बड़े भाई ने पेड़ के साथ बुरा व्यवहार करने के लिए माफी मांगी। पेड़ ने बड़े भाई के दिल में परिवर्तन देखा और उन्हें सभी सुनहरे सेब दिए।
कहानी की शिक्षा: यदि आप अपने काम के प्रति ईमानदार और दूसरों के प्रति दयालु है तो इसका अच्छा फल जरुर मिलता हैं।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। उत्साह बना रहेगा।

वृषभ
कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। धनहानि भी आशंका है।

मिथुन
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें।

कर्क
अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। प्रमाद न करें।

सिंह
कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। प्रमाद न करें।

कन्या
यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें।

तुला
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी।

वृश्चिक
बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा।

धनु
आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

मकर
मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ
आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

बॉलीवुड | मन की बात

लिव-इन और सरोगेसी पर बोलीं कृति सेनन, कहा- इसमें कुछ भी गलत नहीं है

कृति सेनन इंडस्ट्री की सबसे व्यस्ततम एक्ट्रेस में से एक हैं। वो अपनी बेबाक राय और दिल खुश अंदाज के लिए जानी जाती हैं। साथ ही कृति अपनी फिल्मों से जुडे अपडेट भी सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में शिरकत की थी, जिसमें उन्होंने लिव-इन रिलेशनशिप और सरोगेसी पर खुलकर बात की है। कार्यक्रम में जब कृति सेनन से पूछा गया कि रियल लाइफ समाज की लीक से हटकर क्या कभी कृति सेनन लिव-इन रिलेशनशिप और सेरोगेसी का फैसला कर सकती हैं। इसका जबाव देते हुए कृति ने कहा कि 'इसमें कुछ भी गलत नहीं लेकिन अगप आप मुझे पूछोंगे की आज मैं लिव इन में रहूं तो नहीं... मेरे माता पिता मुझे नहीं लगता की इसकी इजाजत देगें। लेकिन मेरी मां बहुत ही बिंदास है... और बोलेगी हां तो क्या होगा.. लेकिन जब मुझे करना होगा या मुझे कब करना होगा.... सोचना होगा की मुझे इसकी जरूरत है।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि, 'हो सकता है कि अभी इस पर मेरी मां सहमत हो, लेकिन बाद में वक्त आने पर वो जरूर मुझसे पूछ सकती हैं की इसकी क्या जरूरत है। वहीं फिल्म लुका छुपी का उदाहरण देते हुए सरोगेसी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि 'सरोगेसी में ऐसा कुछ भी गलत नहीं है लेकिन ये जो फिल्म बनी है ये सरोगेसी लॉ से पहले बनी है। ऐसी घटनाओं के बाद ही सरेगोसी लॉ की जरूरत पड़ी।

अहान शेट्टी की तड़प को मिली अच्छी शुरुआत

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की डेब्यू फिल्म तड़प सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। तड़क के ट्रेलर रिलीज के साथ ही इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी क्रेज था, जिसका असर बॉक्स ऑफिस पर भी देखने को मिला। फिल्म ने पहले ही दिन ठीक ठाक कमाई करके साबित कर दिया कि लोगों को लवस्टोरी आज भी पसंद आतीं हैं।

1600 से ज्यादा स्क्रीन पर हुई रिलीज

शुक्रवार को रिलीज होने वाली तड़प का मुकाबला बंटी बबली 2, सूर्यवंशी, सत्यमेव जयते 2 और सलमान खान स्टारर अंतिम से था। इसके चलते माना जा रहा था कि तड़प की राह आसान नहीं होने वाली है। पर सुनील शेट्टी ने भी बेटे की डेब्यू फिल्म को हिट कराने के लिए पूरा जोर लगा दिया। फिल्म को 1600 प्लस स्क्रीन पर रिलीज किया गया और इसके पहले मुंबई में एक प्रीमियर शो रखा गया जहां इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों को न्यौता दिया गया।

पहले दिन कमाए इतने करोड़

अहान शट्टी की मेहत रंग लाती नजर आ रही है। बॉक्स ऑफिस ऑफ इंडिया के मुताबिक तड़प ने पहले दिन 4 करोड़ के करीब कलेक्शन किया है। जो कि सत्मेव जयते 2 के 3 करोड़ के कलेक्शन से काफी ज्यादा है। तो वहीं सलमान खान और आयुष शर्मा की अंतिम ने पहले दिन 4.75 करोड़ की कमाई की थी।

युवाओं को आ रही पसंद

हालांकि तड़प के लिए शनिवार और रविवार कमाई के लिहाज से काफी अहम रहने वाले हैं। माना जा रहा है कि ये फिल्म युवाओं को ज्यादा पसंद आ रही है तो छुट्टी के दिन दर्शकों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद की जा रही है।

तेलुगू फिल्म का है रीमेक

तड़प का पूरा बजट 35 करोड़ रहा है, ऐसे में अगर ये फिल्म बॉक्स ऑफिस से अपना प्रॉफिट निकाल लेती है तो इससे अहान शेट्टी के करियर को उड़ान मिल जाएगी। फिल्म को देश में 1656 स्क्रीन पर रिलीज किया गया। वहीं विदेश में इसे 451 स्क्रीन मिले। तड़प तेलुगू की सुपरहिट आरएक्स 100 की हिंदी रीमेक है। इसका निर्देशन मिलन लुथरिया ने किया है।

ड्रेस को लेकर फिर ट्रोल हुईं जान्हवी कपूर

जान्हवी काफी कम वक्त में हिंदी सिनेमा जगत में अपनी एक नई पहचान बनाई है। फिल्म धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जाह्नवी कपूर की एक्टिंग को दर्शक काफी पसंद करते हैं। जाह्नवी एक्टिंग के साथ सोशल प्लेटफॉर्म पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन जान्हवी अपने प्रोफेशनल लाइफ के साथ अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े पोस्ट फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। लेकिन इसी बीच जाह्नवी का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जाह्नवी का ऊप्स मोमेंट कैद हो गया है। जान्हवी कपूर हमेशा से ही अपने ड्रेसिंग सेंस से फैंस का दिल जीतती हैं। लेकिन इस बार उनके ड्रेसिंग स्टाइल ने फैंस को काफी निराश किया है। हाल ही में जाह्नवी कपूर को मुंबई में स्पॉट किया गया है। इस दौरान का उनका वीडिया बॉलीवुड के फेमस फोटोग्राफर विरल भियानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि जाह्नवी को आता देख पैपराजी बार बार उनका नाम लेकर बुलाते दिख रहे हैं। लेकिन जान्हवी काफी जल्दबाजी में नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक कलर की बेहद ही छोटी सी ड्रेस पनही हुई है। जैसे की जान्हवी गाड़ी में बैठती हैं उनकी ड्रेस आफी ऊपर हो जाती हैं और कैमरे में एक्ट्रेस का ऊप्स मोमेंट रिकॉर्ड हो जाता है। जहां इस वीडियो को देखने के बाद कुछ फैंस का सपोर्ट कर रहे हैं। वहीं कई यूजर्स काफी नाराज नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- अभिनेत्रियां ऐसे एक्टिंग करती हैं जैसे वह अपने दोस्तों या कार को ढूंढ रही हैं, यह पैपराजी को अपने आउटफिट को 360 एंगल से दिखाने का तरीका होता है। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, वह अपना पैंट भूल गई है। तो वहीं तो एक ने कहा कि 'उसे अपना वार्डरोब बदलने की जरूरत है। जान्हवी के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्होंने अपनी नई फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का ऐलान किया गया है। इस मूवी में उनके साथ फेमस एक्टर राजकुमार राव एक बार फिर से स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे।

800 साल बाद दुनिया के सामने आया खौफनाक राज

सैकड़ों साल पुराने रहस्य आज भी इंसानों के सामने आते रहते हैं, ये ऐसे रहस्य होते हैं जिनके बारे में वर्तमान में आदमी कल्पना भी नहीं कर सकता है। जब भी ये राज खुलते हैं तो हर कोई दंग रह जाता है। आज हम आपको एक ऐसे राज के बारे में बताने जा रहे हैं। जो पेरू से जुड़ा है। जहां करीब 800 साल बाद जमीन के अंदर एक ऐसा रहस्य मिला जिसे जानकर वैज्ञानिक भी हैरान रह गए। बता दें कि सैकड़ों साल पहले के इन रहस्यों को दुनिया के सामने लाना आसान काम नहीं होता है। जिसके लिए कड़ी मेहनत और रिसर्च करनी पड़ती है। पेरू के वैज्ञानिकों ने भी एक ऐसी ही रिसर्च की और एक ऐसे ही रहस्य से पर्दा उठा दिया जिसके बारे में इंसान सैकड़ों साल से जानना चाह रहा था। दरअसल, पेरू में भूवैज्ञानिकों की एक टीम को केंद्रीय तट पर करीब आठ सौ साल पुरानी एक ममी मिली है। इस ममी के बारे में पुरातत्वविदों ने हैरान कर देने वाली जानकारियां दी हैं। पुरातत्वविदों के मुताबिक ये ममी सैकड़ों सालों से जमीन के नीचे एक मकबरे में दबी थी। इस ममी को इतने अजीब तरीके से दफनाया गया था, जिसे देखकर पुरातत्वविद भी हैरान रह गए। एक्सपर्ट के मुताबिक ये ममी आज से करीब 800 साल पहले पेरू के मध्य तट पर मिली है। ये ममी एक मरे हुए व्यक्ति की है जिसे ममी बना कर दफन कर दिया गया था। साथ ही उसके शव को खास तरह के कपड़ों से लपेटकर बांध दिया गया था। उसके हाथों को उसके मुंह के ऊपर रखकर रस्सी से बांध दिए गए थे। यही नहीं उसके पैर भी बांध दिए गए थे। इसे देखकर ऐसा लग रहा था जैसे उसे बैठी हुई अवस्था में बांधकर दफना दिया गया होगा। ममी की खुदाई में शामिल पुरातत्वविद् पीटर वैन डैलेन लूना का कहना है कि अब तक ममी के लिंग की पहचान नहीं हुई है कि ये ममी किसी पुरुष की है या स्त्री की, लेकिन इसकी उम्र 25 से 30 साल के बीच रही होगी। खुदाई के दौरान पुरातत्वविदों को इस ममी के साथ कई तरह के सामान मिले हैं। इसमें बर्तन से लेकर स?ी हुई सब्जियां तक शामिल हैं। ममी के साथ पत्थर के औजार भी मिले हैं। बताया जा रहा है कि जिस ममी को गड्ढे से निकाला गया है वो हाई इंडियन रीजन का रहने वाला इंसान रहा होगा।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अनोखा देश

इस देश में रोने की प्रैक्टिस करते हैं लोग

पूरी दुनिया में आज भी एक ऐसे देश हैं जहां तानाशाही का शासन चलता है। यहां न तो लोकतंत्र है और ना ही लोगों के कोई अधिकारी। इन देशों में लोगों को राजा या तानाशार के इशारों और इच्छाओं के मुताबिक, काम करना पड़ता है। इन्हीं में से एक देश है उत्तर कोरिया। जो हमेशा वहां के तानाशाह किम जोंग उन की वजह से चर्चा में रहता है। आज हम आपको उत्तर कोरिया के कुछ ऐसे रूल्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें जानकर यकीनन आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। उत्तर कोरिया में तमाम अजीबोगरीब रिवाजों में से एक ये भी रिवाज है कि यहां के शासक की मौत के बाद हर नागरिक को रोना पड़ता है।

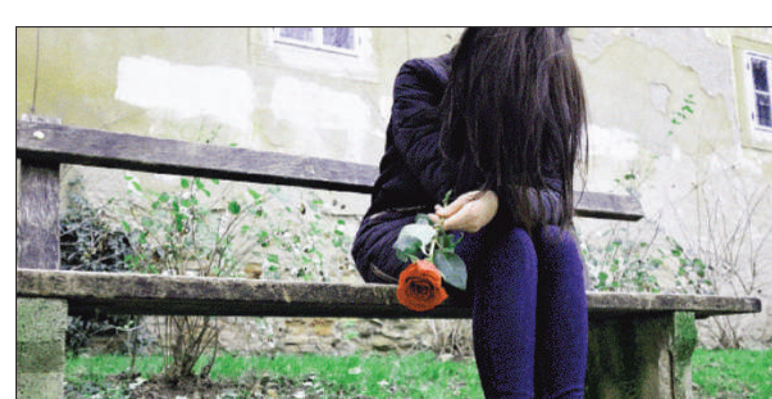

यही नहीं जो कम रोता है उसे शासक का परिवार कठोर दंड भी देता है। बता दें कि साल 2011 में किम जोंग उन अपने पिता किम जोंग इल की मौत के बाद उत्तर कोरिया का सर्वोच्च नेता बना था। उसका दादा किम सुंग उत्तर कोरिया के संस्थापक और पहला नेता था, जिनकी मौत साल 1994 में हुई थी। इसके बाद किम जोंग उन के पिता किम जोंग इल ने सत्ता संभाली। कहते हैं कि उत्तर कोरिया के हर घर में किम जोंग के पिता और उनके दादा की तस्वीरें लगाना अनिवार्य है।

बताया जाता है कि किम जोंग इल की मौत के बाद प्रजा को शोक सभा में खुलकर रोने का आदेश मिला। इस शोक सभा में लोग पूरे दम से चिल्ला-चिल्लाकर और छाती पीटकर रोए और जो ठीक से नहीं रो सका, वो अगले ही दिन गायब हो गया। इस बात की मीडिया में भी काफी चर्चा रही थी। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, शासक की मौत के बाद नए राजा किम जोंग उन ने पिता के लिए बहुत सी शोकसभाएं रखीं। इन शोकसभाओं में जनता को आकर रोकर ये साबित करना था कि वे पुराने राजा से प्यार करते थे।

इन शोकसभाओं में रोना किम परिवार के लिए उनकी वफादारी का भी सबूत था। रिपोर्ट के मुताबिक, ये शोकसभाएं 10 दिनों तक चलीं, जिसमें युवा, बच्चे, बूढ़े, औरत-मर्द सबके लिए रोना अनिवार्य था। इतना ही नहीं, इन शोकसभाओं के दौरान ये नोट किया गया कि कौन-कौन उतनी ठीक तरह से नहीं रो रहा था। इसे किम परिवार के प्रति वफादारी में कमी माना गया। 10 दिन की शोकसभा के बाद क्रिटिसिज्म सेशन हुआ, जिसमें किम खुद उपस्थित थे। इस सेशन में तय हुआ कि ठीक से नहीं रोने वालों को तुरंत 6 महीने की कड़ी कैद में रखा जाए। इसके बाद हजारों दोषियों को रातोंरात घर से उठा लिया गया। कम रोने की वजह से बहुतों का पूरा का पूरा परिवार ही महीनों लेबर कैंप में डाल दिया गया।

ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ा, पांच राज्यों में मिले केस

अब तक 21 मामले आए सामने, कई लोगों की जांच रिपोर्ट का इंतजार

दिल्ली में भी नए वेरिएंट की दस्तक, अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ता जा रहा है। अब तक देश के पांच राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। कुल 21 मामले सामने आए हैं जबकि अभी दर्जनों लोगों की रिपोर्ट आनी बाकी है।

देश में अब तक नए वेरिएंट के 21 मामलों की पुष्टि हुई। राजस्थान की राजधानी जयपुर में नौ, महाराष्ट्र में आठ और तंजानिया से दिल्ली पहुंचा एक व्यक्ति संक्रमित पाया गया। इसके पहले गुजरात में एक और कर्नाटक में दो मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में भर्ती तंजानिया से आए 32 वर्षीय यात्री में कोरोना के नए वेरिएंट की पुष्टि हुई है। दिल्ली में मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और इस मरीज के संपर्क में आए अन्य सभी छह लोगों को भी आइसोलेट कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका से जयपुर आए एक परिवार के चार सदस्य नए वेरिएंट से संक्रमित पाए गए। महाराष्ट्र के पुणे में एक और पिंपरी चिंतवाड़ में छह लोग ओमिक्रॉन से संक्रमित पाए गए हैं। इनमें नाइजीरिया से लौटी एक महिला, उसकी दो बच्चियां और उसका भाई शामिल है। इसके अलावा पिछले महीने के आखिरी हफ्ते में फिनलैंड से लौटा एक व्यक्ति भी संक्रमित मिला है। अब महाराष्ट्र में नए स्ट्रेन के मामले बढ़कर आठ हो गए हैं। एक दिन पहले ठाणे में 23 साल के एक मैरीन इंजीरियर इससे संक्रमित पाया गया था।

मेरठ में विदेश से आए 116 नए यात्रियों ने बढ़ाई टेंशन

मेरठ। कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट को लेकर स्वास्थ्य विभाग की धड़कन बढ़ी है। प्रदेश सरकार ने विदेश से मेरठ पहुंचने वाले 116 नए यात्रियों की सूची भेज दी है, जिसमें कई यात्री ऐसे देशों से आए हैं, जहां कोरोना का नया वेरिएंट संक्रमित हो चुका है। उधर, रविवार तक जारी रिपोर्ट के मुताबिक 24 नवंबर के बाद कुल 449 यात्री विदेश से मेरठ आए हैं। 80 और यात्रियों की सैंपलिंग कर ली गई। विदेश से आने यात्रियों को लेकर मेरठ में प्रशासन भी अलर्ट मोड में आ गया है।

मथुरा में भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटवन बार्डर के समीप राजमार्ग के किनारे खड़े एक ट्रॉला में तेजगति से आते ट्रॉला ने टक्कर मार दी, जिससे एक चालक और दो क्लीनर की मौत हो गई। तीनों शवों को केबिन काटकर निकला गया। पुलिस मृतकों की शिनाख्त करने में जुटी है।

रविवार की रात्रि में ट्रॉला संख्या आरजे 05 जीबी 8433 का मथुरा से पलवल जाते समय गुलशन होटल के समीप किसी अज्ञात वाहन से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। एनएचआई कर्मियों द्वारा ट्रॉला को साइड कराने का कार्य किया जा रहा था तभी सुबह करीब पौने चार बजे मथुरा की ओर से आ रहे एक अन्य ट्रॉला संख्या आरजे 05 जीबी 3451 ने पीछे से आकर दुर्घटनाग्रस्त ट्रॉला में टक्कर मार दी, जिससे ट्रॉला में सवार चालक सहित तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि तीनों के शव केबिन में फंस गए। पुलिस ने गैस कटर की मदद से तीनों के शवों का बमुश्किल निकाला। इससे राजमार्ग पर जाम के हालत पैदा हो गए।

भूपेश बघेल का ममता पर तंज, दीदी विपक्ष से लड़ रहीं या मोदी सरकार से

कांग्रेस के बिना राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन संभव नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

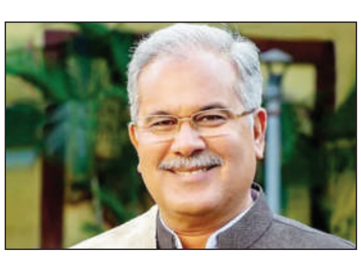

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ममता बनर्जी के कोई यूपीए नहीं है, वाले बयान पर पलटवार किया है। भूपेश बघेल ने कहा कि दीदी सत्ताधारी दल से लड़ रही हैं या विपक्षी दलों के नेताओं से लड़ना चाहती हैं। ममता को अपने इरादे साफ करने होंगे। उनकी बातचीत से लगता है कि वह भाजपा को नहीं बल्कि विपक्ष को हटाना चाहती हैं।

भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस के बिना राष्ट्रीय स्तर पर कोई विपक्षी गठबंधन संभव नहीं है। भाजपा को टक्कर देने के लिए कांग्रेस ही सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने कहा कि 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्ष का चेहरा कौन होगा, इस पर सोनिया गांधी की अगुआई में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के घटक दल फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने अभी तक उनके उस ट्वीट का जवाब नहीं दिया, जिसमें उन्होंने ममता और प्रधानमंत्री के बीच हुई मुलाकात को लेकर सवाल किया था। शरद पवार से हुई मुलाकात को काफी हाईलाइट किया गया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी से ममता की मुलाकात को जगह नहीं मिली।

तालाब में मिला लापता युवक का शव भीड़ ने आरोपी को पीटा, पुलिस से झड़प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

घाटमपुर। घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के कल्याणपुर गांव किनारे स्थित तालाब में दो दिन से लापता युवक का शव पड़ा मिला। परिजनों के हत्या का आरोप लगाने पर पुलिस ने एक दोस्त को हिरासत में ले लिया। इस दौरान आक्रोशित भीड़ ने आरोपी को पुलिस से छुड़ाकर पीटा। पुलिस ने लाठी फटकार कर आरोपी को भीड़ से छुड़ाकर कोतवाली भेजा। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने दोनों दोस्तों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाली क्षेत्र के इटर्रा गांव निवासी सोमवती (60) पत्नी स्व. शिव शंकर कुशवाहा के परिवार में बड़ा बेटा सूरज, उसकी पत्नी सुषमा, दो नाती दीपक, दिलीप व नातिन दीपिका हैं जबकि छोटा बेटा सुरेंद्र (22) अविवाहित था। भाभी सुषमा ने बताया कि देवर सुरेंद्र की गांव के ही मोहित व कल्याणपुर निवासी चेतन से दोस्ती थी। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे ट्रैक्टर से आए चेतन व मोहित खेतों में पानी लगाने की बात कहकर सुरेंद्र को साथ ले गए। शनिवार सुबह तक घर नहीं लौटने पर जब चेतन को फोन किया तो उसने रात में ही मोहित व सुरेंद्र के घर लौट जाने की बात कही। रविवार सुबह परिजनों को कल्याणपुर गांव के तालाब में शव पड़े होने की जानकारी मिली तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त सुरेंद्र के रूप में की। सूचना पर पहुंची पुलिस से परिजनों ने दोनों दोस्तों पर पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया। कोतवाली में मृतक के भाई सूरज की तहरीर पर चेतन व मोहित पाल के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बक्से में बंद मिली युवती की लाश, सनसनी

मेरठ। जिले में खरखौदा के जंगल में एक युवती की लाश बंद बक्से में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवती के हाथ-पैर बंधे हुए थे और गर्दन पर चोट के निशान होने के कारण हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। ग्राम प्रधान की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। मौके पर डॉग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम के साथ एसपी देहात भी पहुंचे हैं। पुलिस के अनुसार शव एक-दो दिन पुराना लग रहा है।

हिंदू संगठनों के ऐलान को लेकर मथुरा में चप्पे-चप्पे पर पुलिस

कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिरासत में, वाहनों की आवाजाही बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। हिंदू संगठनों के मथुरा के शाही मस्जिद में जलाभिषेक के ऐलान के बाद आज पूरे शहर में पुलिस चौकसी बढ़ा दी गई है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही मस्जिद ईदगाह की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर नाकाबंदी कर दी गई है। वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई। दोनों स्थलों पर अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था की गई है। हालांकि इन रास्तों पर पैदल जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। सीएम का पुतला फूंकने का ऐलान करने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगवान सिंह वर्मा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

कई हिंदू संगठनों ने छह दिसंबर को शाही मस्जिद ईदगाह में जलाभिषेक करने और पदयात्रा करने का ऐलान कर माहौल गर्मा दिया था। पुलिस प्रशासन की सख्ती के बाद सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं लेकिन पुलिस प्रशासन फिर भी अलर्ट है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही मस्जिद ईदगाह की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आज सुबह सुपर जोन और जोन अधिकारी भ्रमण पर निकले और एक-एक ड्यूटी प्वाइंट को चेक किया। पुलिसकर्मियों को सुरक्षा के उपकरण भी उपलब्ध कराए गए। एसपी सिटी एमपी सिंह ने बताया, दोनों धार्मिक स्थल के सर्किल के सभी रास्तों पर वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला फूंकने के ऐलान पर पुलिस ने सुबह ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगवान सिंह वर्मा को हिरासत में ले लिया। उन्हें सदर थाना में रखा गया है। पुलिस की चौकसी को देख सुबह दोनों धर्म स्थलों के आसपास की दुकानें भी नहीं खुलीं।

अनुसूचित जाति के लोगों को नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ : रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अनुसूचित एवं पिछड़ा समाज उत्थान समिति की एक बैठक संसारपुर बीकेटी लखनऊ में संपन्न हुई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि अनुसूचित जाति और जनजातियों के उत्थान के लिए यह सरकार प्रतिबद्ध नहीं है। सबका साथ, सबका विकास की सिर्फ बातें हैं।

समिति के प्रदेश अध्यक्ष बालक राम रावत ने कहा कि विकास धरातल पर नहीं हो रहा है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लोगों के लिए योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। सरकार को चाहिए कि अनुसूचित एवं पिछड़ा समाज के लोगों का ध्यान रखे, उनके द्वार तक सभी योजनाएं पहुंचाए, कोई भी व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे। प्रबुद्धजनों ने कहा अनुसूचित एवं पिछड़ा समाज के लोगों की हर समस्याओं का हल प्राथमिकता से हो। तभी समाज का उत्थान होगा। इस बैठक में बालक राम रावत प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री सुरेश रावत, संगठन मंत्री अजय कुमार रावत, उपाध्यक्ष गोविंद प्रसाद यादव, आचार्य बंसीलाल रावत, परशुराम राम, दिनेश कुमार रावत, कार्यक्रम के आयोजक खगेश्वर रावत उर्फ खग्गा रावत, कविता यादव आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

भारत और रूस की साझेदारी क्षेत्र में लाएगी शांति : राजनाथ

भारत-रूस के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगु ने भारत और रूस के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। भारत और रूस के बीच भारत-रूस राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 6,01,427 7.63 इन्टू 39 मिमी असॉल्ट राइफल्स एके-203 की खरीद के लिए अनुबंध, 2021-2031 से सैन्य-तकनीकी सहयोग कार्यक्रम के लिए समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। साथ ही दोनों देशों के बीच कलाश्निकोव सिरीज के छोटे हथियारों के निर्माण के क्षेत्र में सहयोग पर समझौते में संशोधन पर प्रोटोकॉल दस्तखत हुए।

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगु के साथ बैठक के दौरान कहा- भारत और रूस के संबंध बहुपक्षवाद, वैश्विक शांति, समृद्धि और आपसी समझ और विश्वास पर आधारित हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि उभरती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में आज वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन एक बार फिर हमारे देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी के महत्व को दर्शाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा सहयोग हमारी साझेदारी के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। मुझे उम्मीद है कि भारत-रूस साझेदारी पूरे क्षेत्र में शांति लाएगी और क्षेत्र को स्थिरता प्रदान करेगी। वहीं दूसरी ओर भारत-रूस 2+2 अंतर-मंत्रालयी वार्ता के दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत-रूस रक्षा कार्यकलापों में हाल के दिनों में अभूतपूर्व तरीके से प्रगति हुई है। हमें उम्मीद है कि रूस इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भारत के लिए एक प्रमुख भागीदार बना रहेगा। वहीं रूसी रक्षा मंत्री इस समय के दौरान हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों के लिए रूस-भारत रक्षा सहयोग महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है कि रूस और भारत क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने में मदद करेंगे। उधर, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद, हिंसक उग्रवाद की लंबे समय से चली आ रही चुनौतियां नई चुनौतियों में से हैं। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने रूसी रक्षा मंत्री जनरल सर्गेई शोइगु और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ भारत और रूस के बीच पहली बार 2+2 अंतर-मंत्रालयी वार्ता की है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन संग शाम को होगी शिखर वार्ता

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज भारत दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच शिखर वार्ता होगी। दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और तकनीक के अहम क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने को लेकर कई समझौते होंगे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच शाम साढ़े पांच बजे शिखर वार्ता शुरू होगी। इसके बाद पुतिन रात साढ़े नौ बजे दिल्ली से वापस उड़ान भरेंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल के दिनों में भारत-रूस संबंधों में अभूतपूर्व तरीके से प्रगति हुई है। मैं आशा करता हूं कि ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रूस हमेशा भारत का प्रमुख सहयोगी बना रहेगा।

विनय शंकर जल्द थाम सकते हैं सपा का दामन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्वांचल के बाहुबली हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर तिवारी का बसपा से मोहभंग हो चुका है। वे जल्द ही समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। पिछले दिनों लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्रा ट्रस्ट में हरिशंकर तिवारी के विधायक बेटे ने अखिलेश यादव से मुलाकात की है। दोनों के बीच सकारात्मक बातचीत हुई है। जल्द ही हरिशंकर तिवारी, उनके बेटे कुशल तिवारी और विनय शंकर तिवारी सार्वजानिक मंच से समाजवादी पार्टी का दामन थाम सकते हैं। जनाकारों के मुताबिक पूर्वांचल की सियासत में हरिशंकर तिवारी के परिवार का सपा में जाना न केवल बसपा के लिए झटका होगा, बल्कि बीजेपी के लिए भी चिंता की बड़ी वजह होगी।

समाज का आदर्श आईना होती है ओमेक्स जैसी सोसाइटी : रजा मुराद

» अभिनेता ने लखनऊ की ओमेक्स आर टू सोसाइटी में लोगों से किया संवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता रजा मुराद ने कहा सोसाइटी ही जिंदगी का आईना होती है। चाहे किताबें हो या फिल्में, तभी अच्छी होगी जब उसमें लोगों की जिंदगी के पात्र जुड़े होंगे। उन्होंने कहा अच्छा इंसान ही अच्छा समाज बना सकता है इसलिए हमको कोशिश करना चहिये कि हमारे बच्चे भी अच्छे इंसान बने।

लखनऊ की ओमेक्स आर टू सोसाइटी में लोगों से संवाद करते हुए रजा मुराद ने कहा कि उन्हें यहां के लोगों से संवाद करके, उनको समझकर यह यकीन हो रहा है कि अगर यूपी में ऐसी सोसाइटी रहेगी तो समाज में भाईचारा और स्नेह का वातावरण जरूर बनेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवेश में साझा परिवार बहुत महत्वपूर्ण होता है, खुशी की बात है कि इस सोसाइटी के लोगों के बीच वो साझा परिवार दिखता है। हिंदी फिल्मों के सशक्त हस्ताक्षर रजा मुराद ने कहा कि कोई भी पात्र तभी जीवंत हो सकता है जब उसने समाज के हर पहलू को देखा हो। मुझे खुशी है कि यूपी में बहुत सारे ऐसे जीवंत पात्र हर जगह दिख जाते हैं और इस सोसाइटी में भी दिखे। सोसाइटी के लोगों ने उन्हें सम्मान सहित सोसाइटी का भ्रमण कराया और यहां के कार्यक्रमों की जानकारी दी। रजा मुराद के साथ सोसाइटी के अध्यक्ष हजारी सिंह, असरार खान, सृष्टि कश्यप, स्मिता पॉल, आकाश अग्निहोत्री, दीपॉशी अग्रवाल व पार्थ चौधरी आदि लोग मौजूद थे।

वसीम रिजवी ने अपनाया सनातन धर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी ने आज गाजियाबाद के शिव शक्ति धाम स्थित डासना देवी मंदिर में सनातन धर्म गृहण कर लिया। यह प्रक्रिया यति नरसिंहानंद गिरि महाराज के माध्यम से धार्मिक रीति-रिवाज से पूर्ण हुई। वसीम रिजवी ने सबसे पहले वैदिक मंत्रों के साथ माँ काली की पूजा की और उसके बाद उनका शुद्धिकरण हुआ। उन्हें ब्राह्मण समाज में जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी नाम दिया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन की यहां कोई बात नहीं है। जब मुझे इस्लाम से निकाल दिया गया, तब यह मेरी मर्जी है कि मैं किस धर्म को स्वीकार करूं। उन्होंने कहा इस्लाम को हम धर्म समझते ही नहीं हैं।

घर में बेटी से ज्यादा बहू का अधिकार : हाईकोर्ट

सरकार अपने नियमों में करे बदलाव, राशन की दुकान आवंटित करने का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में नई व्यवस्था बनाते हुए बहू को भी परिवार की श्रेणी में रखने आदेश दिया है। साथ ही सरकार से पांच अगस्त 2019 के आदेश में बदलाव करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि परिवार में बेटी से ज्यादा बहू का अधिकार है। लेकिन, उत्तर प्रदेश आवश्यक वस्तु (वितरण के विनियम का नियंत्रण) आदेश 2016 में बहू को परिवार की श्रेणी में नहीं रखा गया है और इसी आधार पर उसने (प्रदेश सरकार) 2019 का आदेश जारी किया है, जिसमें बहू को परिवार की श्रेणी में नहीं रखा गया है।

प्रदेश सरकार ने 2019 का दिया हवाला

याची ने राशन की दुकान के आवंटन के संबंध में संबंधित अथॉरिटी के प्रत्यावेदन किया था। लेकिन, अथॉरिटी ने यह कहकर उसका प्रत्यावेदन निरस्त कर दिया कि उत्तर प्रदेश सरकार के पांच अगस्त 2019 के आदेश के तहत बहू या विधवा बहू को परिवार की श्रेणी में नहीं रखा गया है। लिहाजा, बहू को राशन की दुकान का आवंटन नहीं किया जा सकता है। याची ने इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस वजह से बहू को उसके अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता है। परिवार में बहू का अधिकार बेटी से अधिक है। फिर बहू चाहे विधवा हो या न हो। वह भी बेटी (तलाकशुदा या विधवा भी) की तरह ही परिवार का हिस्सा है। हाईकोर्ट में अपने इस आदेश में उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड (सुपरा), सुधा जैन बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, गीता श्रीवास्तव बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के केस का हवाला भी दिया और याची पुष्पा देवी के आवेदन को स्वीकार करने का निर्देश देते हुए उसके नाम से राशन की दुकान का आवंटन करने का निर्देश दिया है। याची पुष्पा देवी ने हाईकोर्ट के समक्ष आवेदन किया है कि वह विधवा है। उसकी सास महदेवी देवी, जिनके नाम राशन की दुकान आवंटित थी। 11 अप्रैल 2021 को उसकी सास की मौत हो गई। इससे उसके जीवन-यापन का संकट खड़ा हो गया। वह और उसके दोनों बच्चे पूरी तरह से उसकी सास पर निर्भर थे। सास के मरने के बाद उसके परिवार में ऐसा कोई पुरुष और महिला नहीं बचा, जिसके नाम से राशन की दुकान आवंटित की जा सके। लिहाजा, वह सास की विधिक उत्तराधिकारी है और उसके नाम से दुकान का आवंटन किया जाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।